वार्तालाप नं. 607 मंगलदेई ता.30.7.08
Disc.CD No.607, dated 30.7.08 at Mangaldei

समय:- 00.22-00.27

बाबा:- क्या हुआ? सब घर में चले गये? ☺

Time: 00.22-00.27
Baba: What happened? Has everyone gone home (the Supreme Abode)? ☺

समय:- 00.35 से 1.18

जिज्ञासु:- बाबा, ब्राह्मण परिवार में एक अवस्था रहता है, जब लौकिक में जाते है तो अवस्था दूसरा हो जाता है।

बाबा:- अच्छा? अब ब्राह्मण परिवार में भी दस अवस्थायें हो जायेंगी तब क्या करेंगे?

जिज्ञासु:- तब तक एडजस्ट हो जायेगा।

बाबा:- एडजस्ट कर लेंगे?

जिज्ञासु:- कर लेंगे।

बाबा:- सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहे, तब है पुरुषार्थ।

Time: 00.35-01.18
Student: Baba, when we are in the Brahmin family there is one stage, and when we go to the *lokik* world, the stage becomes different.
Baba: *Accha*? What will you do when there will be ten stages in the Brahmin family too?
Student: By then we will adjust.
Baba: Will you *adjust*?
Student: We will.
Baba: The [real] *purushaarth* (spiritual effort) is when a single swan remains in its intoxication while being amongst a hundred herons.

समय:- 1.25 से 2.24

जिज्ञासु:- बाबा, हंस और बगुलों के बीच में जो खाने के चीज के बारे में बताया है तो कौनसा चीज ऐसे है? ...

बाबा:- अरे, दोनों तरह की बातें हैं। जो बगुला होगा वो गंद खाता ही रहेगा, जहाँ मौका मिलेगा दूसरों का बनाया हुआ खा लेगा। जो हंस होगा वो नहीं खायेगा। पवित्र हाथों का बना हुआ भोजन खायेगा, चोरी चकारी का माल नहीं खायेगा। स्थूल बात भी है और सूक्ष्म बात भी। जो हंस होगा वो शिवबाबा के सुनाये हुये ज्ञान रतन ही चुगेगा, दूसरों की बातों को धारण नहीं करेगा। एक से सुनेगा, एक की बात सुनायेगा, एक की बात धारण करेगा, एक की सुनाई हुई बातें धारण करायेगा। बगुला होगा वो तो औरों-2 की बातें भी सुनाता रहेगा।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 01.25-02.24
Student: Baba, the eatables that were mentioned for swans and herons, what are they? ...
Baba: *Arey*, there are both kinds of topics. The one who is a heron will keep eating dirt. Wherever he gets a chance, he will eat food cooked by others. The one who is a swan will not eat [food cooked by others]. He will eat food cooked by pure hands. He will not eat from money obtained through stealing. It is [applicable] in physical as well as subtle. If someone is a swan, he will peck only the gems of knowledge narrated by Shivbaba. He will not assimilate the words of other people. He will listen to the One and narrate only the topics narrated by the One. He will assimilate the words of the One. He will enable the others to assimilate the words narrated by the One. If he is a heron, he will keep narrating the topics said by others as well.

समय:- 2.27 से 3.20

जिज्ञासु:- बाबा, अभी जो मुरली में बोला राम सीता तो पुरुषार्थ करते थे, संगमयुग में करेंगे लेकिन उनको इतना दु:ख...

बाबा:- राम सीता संगमयुग में पुरुषार्थ करेंगे कि कर चुके हैं? (जिज्ञासु - कर रहे हैं।) फेल होने का पुरुषार्थ तो वो कर चुके।

दूसरा जिज्ञासु:- आदि में।

बाबा:- आदि में फेल हो गये ना।

जिज्ञासु:- इसलिए दो कला कम...

बाबा:- दो कलायें कम होकर के पैदा होंगे। फेलियर होने का तो पुरुषार्थ उन्हेंने कर लिया। अब थोडे ही करेंगे? अब फेल होंगे, या पास होंगे, नारायण बनेंगे? अभी तो नर से नारायण बनना है तब तो सतयुग में रामराज्य कहा जायेगा। अगर राम वाली आत्मा ही फेल हो जायेगी तो सतयुग में रामराज्य कैसे कहा जायेगा?

जिज्ञासु:- सत्य नारायण भी कहते हैं ना।

बाबा:- सत्यनारायण की कथा फिर कैसे होगी?

Time: 02.27-03.20
Student: Baba, it was mentioned in murli just now that Ram and Sita used to make *purushaarth*, they will make it in the Confluece Age but [why do they experience] so much sorrow?
Baba: Will Ram and Sita make *purushaarth* in the Confluence Age or have they already made *purushaarth*? (Student: They are making [*purushaarth*].) They have already made the *purushaarth* to *fail.*
Another student: In the beginning.
Baba: They failed in the beginning, didn't they?
Student: This is why they fall short of two celestial degrees.
Baba: They will be born with the absence of two celestial degrees. They have already made the *purushaarth* to become *failure*. They won't make such [*purushaarth*] now. Will they *fail* now or will they *pass*, will they become Narayan? Now they have to transform from a man to Narayan only then will it be called the kingdom of Ram in the Golden Age. If the soul of Ram itself fails, how will it be called the kingdom of Ram in the Golden Age?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: He is also called Satyanarayana, isn't he?
Baba: Then, how will the story of Satyanarayana (true Narayan) be created?

समय:- 3.23 से 4.20

जिज्ञासु:- बाबा, इस्लाम धर्म में कन्वर्ट होने वाला सतयुग में सेकेण्ड नारायण बनेगा। तो हम लोग तो कन्वर्ट नहीं होंगे तो हमें कैसे पद मिलेगा?

बाबा:- हम नारायण क्यों बनें? हम कम कलाओं वाले नारायण क्यों बनें? एक होता है गधेडों की डिनायस्टी, एक होती है शेरों की डिनायस्टी, एक होगी घोडों की डिनायस्टी तो आप घोडों की डिनायस्टी में जाना पसंद करेंगे या शेरों की डिनायस्टी का बच्चा बनना पसंद करेंगे?

जिज्ञासु:- शेरों का।

बाबा:- बहुत चालाक हो। अभी कहते हैं हम नारायण कैसे बनेंगे? वहाँ तो, पहले जन्म में तो यथा राजा तथा प्रजा सब नारायण जैसे होते हैं। कोई भी नीचा होता ही नहीं। सब ये समझते हैं विश्व के मालिक हम हैं। हमारा बाप विश्व का मालिक , हम भी विश्व के मालिक हैं। इतना अपनापन होता है फर्स्ट डिनायस्टी में।

Time: 03.23-04.20
Student: Baba, the one who converts to Islam will become second Narayan in the Golden Age. We will not convert, so how will we attain the status?
Baba: Why should we become Narayan? Why should we become Narayans with fewer celestial degrees? One is a *dynasty* of donkeys, one is a *dynasty* of lions; one will be the *dynasty* of horses; so would you like to go to the *dynasty* of horses or would you like to become a child in the *dynasty* of lions?
Student: Lions' [child].
Baba: You are very clever. Just now you said: How will we become Narayan? There, in the first birth, it is *yathaa raajaa tathaa prajaa*[1]; all are like Narayan. Nobody is low. Everyone thinks that he is the master of the world. Our father is the master of the world as well as we are the masters of the world. There is so much sense of belonging in the first *dynasty*.

समय:- 4.21 से 6.25

जिज्ञासु:- बाबा, जैसे सेकेण्ड नारायण का जन्म होगा ना तब तक वो आत्मायें कहाँ रहेंगी? जैसे पहला प्रिंस, राधा कृष्ण।

बाबा:- वो नीचे उतरते जायेंगे।

जिज्ञासु:- जब सेकेण्ड नारायण को जन्म देंगे राधा कृष्ण...

बाबा:- जो फर्स्ट नारायण है वो नीचे उतरते-3; जो सतयुग का फर्स्ट नारायण है, राधा कृष्ण वाली आत्मायें, ब्रह्मा सरस्वती वो जन्म लेते-2 नीचे उतरते-3 आखिरी जन्म में जाकर के क्या बन जावेंगे? प्रजा वर्ग में चले जावेंगे। और प्रजा बन करके; प्रजा का बच्चा बनेगा राम वाली आत्मा

[1] As the king so are the subjects

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

लेकिन साहुकार प्रजा बनेंगे। क्या? ऐसी वैसी प्रजा नहीं बनेंगे। बडे-2 साहुकार जो होते हैं वो भी राजाओं को बहुत मदद करते हैं। करते हैं कि नहीं? (जिज्ञासु- करते हैं।) हाँ, तो नजदीक कुर्सियों में बैठते हैं।

Time: 04.21-06.25
Student: Baba, where will those souls live until the second Narayan is born? Like the first prince, Radha – Krishna...
Baba: They will go on falling down.
Student: When Radha and Krishna give birth to the second Narayan...
Baba: The *first* Narayan while falling down; the *first* Narayan of the Golden Age, i.e. the souls of Radha and Krishna or Brahma and Saraswati after having many births and falling down, what will they become in the last birth? They will go to the subjects' category. And after becoming subjects; the soul of Ram will become the child of a subject (*prajaa*), but he will become a wealthy subject. What? He will not become an ordinary subject. Highly prosperous people help the kings a lot. Do they [help] or do they not? (Student: They do.) Yes. So, they sit on closer chairs.

तो इसलिए बाबा ने मुरली में बोला 16 हजार की लिस्ट में आने से तो अच्छा साहुकार बनें। वो ज्यादा अच्छा है। साहुकरों को भी ढेर-2 दास दासियाँ होते हैं। तो आखरी जन्म में जाकर के राधा कृष्ण की आत्मायें सतयुग के आखरी जन्म में क्या बन जावेंगी? प्रजा बन जायेंगे, साहुकार प्रजा बन जावेंगे। और साहुकार प्रजा के घर में राम वाली आत्मा पैदा होगी। राम वाली आत्मा से जो आखरी नारायण है वो ढेर सारा लोन लेगा। लोन लेकर के अपनी राजाई चलायेगा। इतना-2 लोन लेगा कि उसकी सारी राजाई लोन में डूब जाती है। डूब जाती है तो राम के लिए ये गायन हो जाता है राम राजा, राम प्रजा, राम साहुकार। साहुकार के घर में पैदा होगा तो साहुकार ही कहा जायेगा ना। तो साहुकार अंतिम जन्म में होता है और वो अपने साहुकारी के बल पर सारी सतयुग की राजाई जो है वो अपने हाथ में ले लेता है। तो नीचे उतरते जाते हैं।

This is why Baba has said in the murli: It is better to become a prosperous person than to be included in the *list* of 16000. [To become] that is better. Even the prosperous people have many maids and servants. What will the souls of Radha and Krishna become in the last birth of the Golden Age? They will become subjects, prosperous subjects. And the soul of Ram will be born in the house of a prosperous subject. The last Narayan will take a lot of *loan* from the soul of Ram. He will take *loan* and run his kingdom. He will take so much *loan* that his entire kingship will be lost in that loan. It is lost. So, it is famous about Ram that Ram is a king, Ram is a subject, Ram is a prosperous person. When he is born in the home of a prosperous person, he will certainly be called a prosperous person, will he not? So, he (the soul of Ram) becomes a prosperous person in the last birth and he takes the entire kingship of the Golden Age in his hands with the help of his prosperity. So, they go on falling down.

समय:- 6.25 से 8.39

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु:- बाबा, आपके आने से पहले बहुत प्रश्न मन में आ रहे थे, आपको देखते ही सब भूल गए, क्यों ऐसा होता है?

बाबा:- तो आप परमधाम वासी हो गये ना। इससे साबित होना चाहिए बाप का घर, बाप का घर ही परमधाम है। बाप का जो शरीर रुपी रथ है, क्या है? परमधाम है। फोन से ही कनेक्शन जुटता है जो बाप के बच्चे हैं वो सब भूल जाते हैं। कहते भी हैं, अनुभव भी करते हैं कि सब भूल गये, हमें कुछ याद ही नहीं रहा। अच्छा तो डायरी पे लिख लो।

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा:- रामायण की कथा ..., क्या कह रही हैं ये? किसी ने समझा?

दूसरा जिज्ञासु:- हाँ। बाबा, माताजी बोल रही हैं कि जैसे भक्ति मार्ग में जिनते-2 चित्र होते हैं, जैसे शंकर पार्वती का...

बाबा: ढेर के ढेर?

दूसरा जिज्ञासु: हाँ। और ऐसे बहुत होते हैं ना, शास्त्रों में भी दिखाय देते हैं, अभी भी मुरली में ये पाइंट आई है, तो सब कुछ देखने के बाद आपके ऊपर माने इस यज्ञ के ऊपर पूरा विश्वास हो गया।

बाबा: चिंतन चलता है?

दूसरा जिज्ञासु: हाँ।

बाबा:- भक्ति मार्ग के चित्रों को देखकर के...

Time: 06.25-08.39
Student: Baba, before you came many questions were coming in my mind. After seeing you I forgot everything. Why does it happen so?
Baba: So, you have become a resident of the Supreme Abode, haven't you? It should prove that the Father's home, the Father's home itself is the Supreme Abode. What is the Father's chariot like body? It is the Supreme Abode. Even if the *connection* is established through a phone, the Father's children forget everything. They say, they experience as well: We have forgotten everything; we do not remember anything. *Acchaa*, write it in a *diary*.
Student said something.
Baba: Story of the Ramayana... what is she saying? Did anyone understand?
Another student: Yes. Baba, the mother is saying that as many pictures there are in the path of *bhakti*, for example, pictures of Shankar Parvati...
Baba: The many pictures?
The other student: Yes. There are many of such [pictures], aren't there? They are shown in the scriptures too; and just now a *point* came in the murli too; so, after seeing everything, she has complete faith on you, i.e. the *yagya*.
Baba: The churning (thinking about knowledge) goes on.
The student: Yes.
Baba: By seeing the pictures of the path of *bhakti*...

दूसरा जिज्ञासु:- हाँ। इन सबका एक ही मतलब है...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- क्या?

दूसरा जिज्ञासु:- अभी जो चल रहा है संगमयुग की दुनियां में यज्ञ का काम उसके साथ पूरा टैली हो रहा है।

बाबा:- भक्ति मार्ग में टैली हो रहा है। तो अच्छी बात है।

दूसरा जिज्ञासु:- यही माता जी को निश्चय हो गया है।

बाबा:- ठीक है। भक्ति मार्ग में जो कुछ भी चलता है कर्मकाण्ड उसकी शूटिंग कहाँ होती है? ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनियां में शूटिंग हो रही है। अच्छी बातों की भी शूटिंग होती है और बुरी बातों की भी शूटिंग यहाँ होती है।

The other student: Yes. All this means only one thing.
Baba: What?
The other student: Now whatever task of the *yagya* is going on in the Confluence Age world tallies completely with it.
Baba: It is tallying with the path of *bhakti*. It is good.
The student: Mata*ji* has this faith.
Baba: Alright. Where is the *shooting* performed for the ceremonial acts and sacrificial rites done in the path of *bhakti*? The *shooting* is taking place in the Confluence Age world of Brahmins here. The *shooting* of good as well as bad things is performed here.

समय:- 8.40 से 10.17

जिज्ञासु:- बाबा, दिल्ली में पुष्पा माता को मिली थी।

बाबा:- मिले थे?

जिज्ञासु:- हाँ।

बाबा: अच्छा।

जिज्ञासु: तो बहुत सारी बातें बताई यज्ञ की प्रारंभिक स्टेज की। तो उससे मन में ये प्रश्न आ गया है, राम की तो तीन मातायें थी ना कौशल्या, कैकई, सुमित्रा। तो अभी तो वो साकार में होनी चाहिए ना? संगमयुग में?

Time: 08.40-10.17
Student: Baba, I had met Pushpa mata in Delhi.
Baba: Did you meet [her]?
Student: Yes.
Baba: *Acchaa*.
Student: She told me many things about the initial *stage* of the *yagya*. A question arose in my mind that there were three mothers of Ram: Kaushalya, Kaikayi, Sumitra. So, they should be present now in the corporeal form in the Confluence Age, shouldn't they?

बाबा:- एक होता है आदि में, और एक होता है मध्य में, और एक होता है अंत में। फाईनल कब होगा? आदि वाला फाईनल हो जायेगा? ये तो एडवान्स की बात बताई। बेसिक में भी तो आदि

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

था। बेसिक में भी तो आदि था। वहाँ भी आदि होगी । तो आदि, मध्य और अंत फाईनल कब होता है? जब संपूर्ण स्टेज बनेगी, चाहे कौशल्या हो, चाहे कैकई हो, चाहे सुमित्रा हो, संपूर्ण स्टेज बनेगी तो संपन्नता का गायन होगा, या शुरुआत का और मध्य का गायन होगा? संपन्न स्टेज का फाईनल गायन हो जायेगा। अब तो सब पुरुषार्थी हैं। क्या?

जिज्ञासु:- बाबा। ऐसे शास्त्रों में आया है कि कैकई बहुत प्यार करती थी राम को। लास्ट में विरोधी बन गई ना जब राज पाट का समय आ गया।

बाबा:- जो श्रेष्ठ होते हैं उनका प्यार कभी कम नहीं होता। उनको रहम आता है इनसे ये गलती हो गई, भूल हो गई। राम का तो पार्ट श्रेष्ठ है ना तीनों माताओं को एक समान समझते थे।

Baba: Something happened in the beginning, in the middle and in the end. What will be considered to be the *final*? Will something that happened in the beginning be considered to be the *final*? What you spoke was about the advance [knowledge]. There was a beginning in the *basic* [knowledge] too. There was a beginning in the *basic* [knowledge] as well. There will be a beginning there as well. So, the beginning, the middle and the end... when does the *final* take place? When the *stage* of completion is achieved; whether it is Kaushalya, Kaikayi, [or] Sumitra; when they attain a complete stage, will the completeness be praised or will [the *stage* of] the beginning or the middle be praised? The *stage* of completeness will be praised finally. Now everyone is a *purushaarthii*[2]. What?
Student: Baba, it has been mentioned in the scriptures that Kaikayi used to love Ram a lot. She became an opponent in the end when the time of coronation neared.
Baba: The love of those who are elevated never decreases. They feel pity that they have made a mistake. Ram's *part* is elevated, isn't it? He considered all the three mothers equal.

समय:- 10.18 से 13.38

जिज्ञासु:- बाबा, बाबा कहते रहते हैं तुम यहाँ आये ही हो नर से नारायण बनने के लिए। फिर क्यों बोलते रहते हैं कि तुम यहाँ आये हो प्रिन्स प्रिंसेज़ बनने के लिए?

बाबा:- प्रिन्स प्रिन्सेज़ बेहद के प्रिन्स, प्रिन्सेज़। जो प्रिन्स होता है वो किसीसे भीख माँगता है? सीढ़ी का चित्र है। देखा? सीढ़ी के चित्र में एक बेगर पडा हुआ है। पडा हुआ है ना। और ब्रह्मा बाबा खडे हुये हैं। तो ब्रह्मा बाबा बेगर टू प्रिन्स बनते हैं, या जो बेगर पडा हुआ है वो बेगर टू प्रिन्स बनता है? सीढ़ी के चित्र में नीचे लिखा हुआ भी है 40 वर्ष। संगमयुग की आयु कितनी लिखी है? सीढ़ी के चित्र में नीचे (लिखा है) 40 वर्ष। 40 वर्ष कब पूरे हुये? 76 में। तो 76 में प्रत्यक्षता वर्ष हुआ बाप का। बाप आया, प्रत्यक्षता वर्ष हुआ, और 77 में संपूर्णता वर्ष हुआ। हुआ ना। तो उस समय से 5 यर प्लान बाप का शुरु हो गया। ये 5 यर प्लान में बेगर को क्या बना देते हैं? प्रिन्स बनाय देते हैं। पहले घर-2 में जाकर के जैसे रोटी टुक्कड के लिए अधीन, ये 77 के बाद 5 साल और एड कर दिये तो कौनसा सन आया? 78, 79, 80, 81, 82, 83 में क्या हो

[2] The one who makes spiritual effort

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जाता है? बेगर टू प्रिन्स हो जाता है। उसको किसीसे भीख माँगने की दरकार नहीं। जिसको दरकार हो वो दर पे आये। राजा का बच्चा होगा वो घर-2 जाकर के भीख माँगेगा?
जिज्ञासु: नहीं।

Time: 10.18-13.38
Student: Baba, Baba keeps saying that you have come here to transform from a man to Narayan. Then why does He say that you have come here to become Princes and Princesses?
Baba: The princes and princesses are in the unlimited. Does a *prince* beg from anyone? Have you seen the picture of the ladder? In the picture of the ladder, a *beggar* is lying down. He is lying down, isn't he? And Brahma Baba is standing. So, does Brahma Baba change from a *beggar* to *prince* or does the one who is lying down change from a *beggar* to *prince*? In the picture of the ladder below it has also been written 40 years. What age of the Confluence Age has been written? [It is written] below in the picture of the ladder: 40 years. When did the 40 years complete? In 76. So, 76 is the year of the revelation of the Father. The Father came and it became the year of revelation. And the year 77 was the year of perfection. It was, wasn't it? So, from that time the Father's *five year plan* started. What does He make the *beggar* in the *five year plan*? He makes him a *prince*. First he used to visit every home... it is as if he was depenent for pieces of *roti* (bread). If you add five years to 77, which year do you arrive at? 78, 79, 80, 81, 82. What happens in 83? He transforms from a *beggar* to a *prince*. There is no need for him to seek alms from anyone. Whoever needs may come to his doorstep. Will a king's child seek alms from every home?
Student: No.

तो बाबा का ये 5 इयर प्लान एक ही बार चलता है। क्या? वो गवर्नमेंट का? वो गवर्नमेंट बार-2, उनका वो 5 इयर प्लान ही पूरा नहीं होता, न प्लानिंग पूरी होती है। और बाबा की ऐसी प्लानिंग है कि एक ही बार में बेगर को... (सबने कहा-...प्रिंस बनाते हैं।) अब सब नम्बरवार बेगर टू प्रिन्स बनने वाले हैं। कोई का नम्बर पहले, कोई का नम्बर बाद में। तो ये बेगर टू प्रिन्स सभी के लिए लागू होता है। तो यज्ञ में बाज़ी है तन की बाज़ी लगाओ, धन की बाज़ी लगाओ, मन की बाज़ी लगाओ, समय, संपर्क, संबंधियों की बाज़ी लगाओ जो जितनी बाज़ी लगाता है वो उतना बेगर टू प्रिन्स बन जाता है। सवाल का जवाब आ गया?
जिज्ञासु: हाँ। सीडी कैसेट निकाला गया कि...
बाबा: तुम्हारे सवाल का जवाब आ गया? (जिज्ञासु: हाँ।) क्या? बेगर टू प्रिन्स क्यों कहा? नर से नारायण क्यों कहा? माना बेगर टू प्रिन्स बेहद के अर्थ में कहा। हैं तो ब्राह्मण अभी नारायण भी नहीं बन गये, अभी कोई प्रैक्टिकल में प्रिन्स राजा के बच्चे भी नहीं बन गये लेकिन राजा का बच्चा जैसे होता है किसीके अधीन नहीं होता ऐसे ही बाबा उस बच्चे को क्या बनाय देते हैं? स्वाधीन बनाय देते हैं। क्या? एक शिवबाबा दूसरा न कोई। लेना है तो किससे लेना है? एक शिवबाबा से। और किसीसे हाथ पसारने की दरकार है ही नहीं।

So this *five year plan* of Baba is implemented only once. What? [What about the plan] of that *government*? That *government* [repeats it] again and again. Their *five year plan* never ends; nor

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

does their *planning* end. And Baba's *planning* is such that he transforms the *beggar* in one go... (Everyone said: ...into a prince.) Well, everyone is going to be transformed into a *prince* from a *beggar numberwise*[3]. Someone's *number* is first and someone's *number* is later. So, this topic of [becoming] *beggar* to *prince* is applicable to everyone. So, it is a bet in the *yagya*. You have to stake your body, wealth, mind; you have to stake your time, contacts, relatives; whoever stakes [all this] to whatever extent transforms from a *beggar* to *prince* to the same extent. Did you get the answer for your question?
Student: Yes. A CD was made...
Baba: Did you get the answer for your question? (Student: Yes.) What? Why was it said: *Beggar to prince*? Why was it said: a man to Narayan? It means that *beggar* to *prince* was said in the unlimited. He is definitely a Brahmin. He has not become Narayan yet. Now nobody has become a *prince*, a king's child in practice but just as there is a king's child, he is not subordinate to anyone; similarly, what does Baba make that child? He makes him self – dependent. What? One Shivbaba and no one else. If you have to take [something], from whom should you take it? From the one Shivbaba; there is no need to beg[4] from anyone at all.

समय:- 13.40 से 16.49

बाबा: हाँ, क्या बोल रहे थे?

जिज्ञासु:- सीडी कैसेट निकाला था...

बाबा:- सीडी का कैसेट?

दूसरा जिज्ञासु: जो 2012 के लिए ...

बाबा: हाँ, दुनिया वालों ने 2012 की विनाश की घोषणा की थी, सीडी निकाली है। हाँ।

जिज्ञासु: 2012 साल में विनाश हो जायेगा ऐसा बोला है, क्या साबित कर रहा है?

बाबा: ये साबित कर रहा है कि ब्राह्मणों की दुनिया में कोई पृथ्वी माता का पार्ट है। वो पृथ्वी माता का पार्ट पूरा हो जाता है उस समय। जब पृथ्वी अपनी धुरी चेंज कर लेगी तो दुनिया चेंज होगी कि नहीं होगी? तो उसके लिए बात है। उन्होंने सारी दुनिया के लिए लगाय दिया। सारी दुनिया की बात नहीं है। जो पृथ्वी माता अभी जगत माता है, सारे जगत के इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन सबके लिए मर रही है और वो उसको धोखा दे रहे हैं। वो अपना स्थान चेंज करेगी। जैसे शास्त्रों में दिखाया है कि बैल के सींग पर पृथ्वी खडी है। पृथ्वी माना? पृथ्वी माता। वो बैल के सींग; जब बैल थक जाता है, यूँ करके सींग को चेंज कर लेता है। तो ऐसे ही 2012 में पृथ्वी की धुरी चेंज हो जायेगी। वो असुरों की तरफ से बुद्धि योग हट करके पृथ्वी माता का बुद्धि योग कहाँ चला जावेगा? असली ठिकाने पे पहुँच जायेगा। जो देवात्मायें हैं उनकी तरफ चला जावेगा। माने बायें सींग को छोड करके पृथ्वी कहाँ का आधार लेगी? दाये सींग का आधार लेगी। तो वो बात उन्होंने उस कैसेट में दिखा दी। पृथ्वी में उत्थम पत्था हो जायेगा । स्थूल महाविनाश की बात कर दी। वास्तव में स्थूल महाविनाश नहीं है। वो तो सूक्ष्म महाविनाश की बात दिखाई गई। दुनियावी बातों में विश्वास नहीं करना चाहिए। क्या?

[3] Sooner or later according to their spiritual effort
[4] Haath pasaarnaa: lit. to strectch your palm

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 13.40-16.49
Baba: Yes, what were you saying?
Student: A CD cassette was made…
Baba: Cassette of the CD?
Another student: About 2012 …
Baba: Yes, the people of the world have released a CD about the announcement of destruction in 2012. Yes.
Student: They said that the destruction will take place in the year 2012, what is proved by this?
Baba: It proves that there is the *part* of the mother Earth in the world of Brahmins; the *part* of that mother Earth ends at that time. When the Earth changes its axis, will the world *change* or not? So, it is about her. They applied it to the entire world. It is not about the entire world. The Mother Earth, who is the world mother right now, she is working hard for for the people of Islam, the Buddhists, the Christians of the entire world and everyone and they are deceiving her. She will *change* her place. For example, it has been shown in the scriptures that the Earth is placed on the horns of a bull[5]. What is meant by Earth? The Mother Earth. When that bull feels tired, it tosses [the Earth] on another horn like this (Baba is demonstrating). So, similarly, the axis of the Earth will *change* in 2012. The connection of her intellect will break from the demons and where will it be connected? It will reach the true destination. It (the intellect) will be directed to the deity souls. It means that the Earth will leave the left horn and take the support of what? She will take the support of the right horn. So, they have shown that in that *cassette*. There will be an upheaval on the Earth. They spoke about physical great destruction. Actually, it is not the physical great destruction. The subtle great destruction has been shown [in it]. You should not believe in the worldly things. What?

जिज्ञासु:- स्थूल में कुछ होगा तो?
बाबा:- छुट पुट ऐसे तो होता ही रहता है। 76 में हुआ था कि नहीं? 76 में हुआ था कि नहीं? एमर्जन्सी लगी थी कि नहीं? इन्दिरा गाँधी का राज्य थोडा पल्टा पल्टी हुआ था कि नहीं? और जयप्रकाश नारायण की मान्यता बढ गई थी कि नहीं भारत वर्ष में? जयप्रकाश नारायण माना जो नारायण बनने वाली आत्मा है वो ऊपर आ गई। कुमारका दादी उनकी मान्यता कम हो गई। जनता पार्टी ऊपर आ गई। जानता पार्टी माना जानने वाली पार्टी माने एडवान्स पार्टी। उसमें सहयोगी बन गये कृष्ण मुरारी देसाई। कृष्ण मुरारी देसाई किसकी आत्मा है बेहद में? अरे, ब्रह्माबाबा की। ☺

Student: Something will definitely happen physically, won't it
Baba: Minor [calamities will occur]. Such things keep happening. Did it happen in 76 or not? Did it happen in 76 or not? Was *emergency* declared or not? Was there a little overturn of the rule of Indira Gandhi or not? And did the hounour of Jaiprakash Narayan increase in India or not? Jaiprakash Narayan means the soul that becomes Narayan, gained prominience. Kumarika Dadi's honour decreased a bit. The Janata Party gained prominence. Janta Party means the

[5] Literally ox, but Baba means bull here, the one that is let free and not domesticated.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Party that knows (*jaanane waali*), i.e. the *Advance Party*. Krishna Murari Desai became helpful in it. Who is the soul of Krishna Murari Desai in the unlimited? *Arey*, it is Brahma Baba's [soul]. ☺

समय:- 16.56 से 18.33

जिज्ञासु:- बाबा, पूरा 5 हजार वर्ष का ड्रामा रिपीट होता रहता है तो पुरुषार्थ करने की कोई दरकार नहीं ...

बाबा:- अपने आप रिपीट होता रहता है तो हम पुरुषार्थ क्यों करें? (जिज्ञासु - हाँ।) अच्छा। खाना क्यों खाती हैं आप? खाना खाने का पुरुषार्थ नहीं करना चाहिए। अपने आप मुह में चला जायेगा, पेट भर जायेगा। खाना खाने के लिए नहीं सोचता है कभी आदमी कि हम पुरुषार्थ क्यों करें? इसके लिए बुद्धि में आता है कि ड्रामा तो चलेगा ही, हूबहू रिपीट होगा ही तो फिर हम पुरुषार्थ क्यों करें? (किसीने कुछ कहा।) हाँ, पुरुषार्थ को करने के लिए कभी ऐसे नहीं सोचना है।

Time: 16.56-18.33
Student: Baba, the entire drama of the five thousand years drama keeps repeating. So, there is no need to make *purusharth*. …
Baba: [Do you mean to say:] If it keeps repeating automatically, why should we make *purushaarth*? *Acchaa*? Why do you eat food? You should not make the *purushaarth* to eat. Food will enter your mouth automatically; you stomach will become full. A man never thinks for eating food that why should he make *purushaarth.* For this it comes to intellect that *drama* will surely continue, it will definitely *repeat* as it is, then why should we make *purushaarth*? (Someone said something.) Yes. You should never think like this for making *purushaarth*.

जिज्ञासु:- ठीक है, बाबा पूरा सुन लीजिये। जिसका जो पार्ट नूँधा हुआ है वो ही तो मिलेगी।

बाबा:- मिलेगी? क्या किसीको पता है?

जिज्ञासु:- नहीं। पता तो नहीं है।

बाबा:- जब पता ही नहीं है तो अच्छा पुरुषार्थ (करना चाहिए)। जो जैसा करेगा वैसा पायेगा। पता ही तो नहीं है यही तो राज़ है। ड्रामा में, 5 हजार वर्ष में हमने जो किया होगा सो ही होगा। तो बुद्धि में आता है हम पुरुषार्थ क्यों करें? अरे, जो हुआ वो तुम्हें याद है? है कुछ याद? याद ही नहीं है तो तुम जैसा संकल्प करोगे वैसा ही होगा। अच्छे संकल्प करोगे श्रीमत के अनुकूल तो अच्छा ही होगा रिजल्ट। और हाथ पे हाथ रखके बैठ जाओगे, ड्रामा करायेगा। लेकिन खाना खाने के लिए... बडे चालाक हैं। खाना खाने के लिए नहीं, फौरन किचन में पहुँच जायेंगे बनायेंगे खायेंगे बढिया-2 खा जायेंगे।

Student: OK Baba, listen to the complete [question]; whoever has whichever destined part, he will get just that part.
Baba: He will get it? Does anyone know [what he is going to get]?
Student: No. They do not know.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: When they don't know at all, they [should make] good *purusharth*. Someone will reap as he sows. They don't know [what they are going to get] this is the secret. Whatever we would have done in the *drama*, in the 5000 years only that will happen. So, it comes in the intellect: why should we make *purushaarth*? *Arey*, do you remember what happened? Do you remember anything? When you don't remember at all, then something will happen only according to the thoughts you create. If you think positively in accordance to *shrimat*, the *result* will definitely be good. And if you sit idle [thinking] that the *drama* will enable you to make [*purusharth*]; but to eat… you are very clever. You don't [think like that] to eat food; you will reach the *kitchen* immediately, cook nice things and eat them.

समय:- 18.35 से 21.22

जिज्ञासु:- बाबा, मुरली में आया है अगर पहले जन्म का पुरुषार्थ अच्छा है तो इस संगमयुग पर उसे कोई बंधन, या साधन की कमी नहीं होगी।

बाबा:- 63 जन्म का पुरुषार्थ अगर अच्छा है, 63 जन्म हमने किसीको दु:ख नहीं दिया है तो इस संगमयुगी जन्म में भी हमें कोई प्रकार का बंधन नहीं होगा। अगर हमने 63 जन्मों में बहुतों को दु:ख दिया है तो इस जन्म में भी हम बंधन में आ जावेंगे। आत्मा बाँधेली बन जायेगी। गलत बात है, सही बात है?

जिज्ञासु:- सही बात है।

Time: 18.35-21.22
Student: Baba, it has been mentioned in the murli that if your *purushaarth* made in the previous birth is good, you will not have any bondage or any shortage of means in the Confluence Age.
Baba: If our *purushaarth* made in 63 births is good, if we haven't given sorrow to anyone in the 63 births, then we will not have any kind of bondage in this Confluence Age birth either. If we have given sorrow to many people in the 63 births, then we will be in bondage in this birth as well. The soul will be in bondage. Is it wrong or right?
Student: It is right.

जिज्ञासु:- ये बात ठीक है। पहले वो पुरुषार्थ ठीक किया नहीं, लेकिन इस बार वो करना चाहती है परंतु...

बाबा:- कैसे कर लेगी? अच्छा... 63 जन्मों में अच्छा पुरुषार्थ नहीं किया, तो यहाँ अच्छी याद आयेगी?

जिज्ञासु: नहीं।

बाबा: फिर?

जिज्ञासु:- कोशिश करके।

बाबा:- कितना भी अच्छा कोशिश करो जो खराब कर्म किये हैं... बनी, बनाई, बन रही अब कुछ बननी नाय। ये क्यों बोला?

जिज्ञासु:- बाबा, वो ही तो हुआ ना, पुरुषार्थ का तो ऐसे मतलब निकल आया।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- तुमने ऐसे क्यों समझ लिया हमने बुरा ही किया है? आप ये समझो कि हमने अच्छा ही किया है।

Student: This is right. Someone didn't make good *purushaarth* in the past, but she wants to make it this time, but…
Baba: How will she make it? Good... She did not make good *purushaarth* in the 63 births, then will she be able to remember [Baba] nicely here?
Student: No.
Baba: Then?
Student: By trying [to make good *purusharth*].
Baba: She may try [to make good *purusharth*] as much as she wishes, the bad deeds that she has performed... whatever is pre-determined is being enacted now. Nothing new will be enacted now. Why was this said?
Student: Baba, it is the same thing, isn't it? The same meaning of *purushaarth* is deducted.
Baba: Why do you think that you have performed only bad actions? You should think that you have performed only good deeds.

जिज्ञासु:- बंधन तो है ना।

बाबा:- तो बंधन है तो बंधन कट जायेगा। सन 47 में जिनको सात-2 तालों के अंदर रखा गया था सन 46 तक वो सन 47 में उनके सबके बंधन इकट्ठे कट गये कि नहीं कट गये? और वो बाबा के पास सबसे पहले पहुँच गईं कि नहीं पहुँच गईं? (जिज्ञासुओं ने कहा - पहुँच गईं।) तो ऐसे ही जब रिजल्ट निकलने का टाइम आयेगा क्या पता बाबा आपको ट्रंकाल भेज दें, आखिरी ट्रेन जा रही है आ जाओ, और आप पहले पहुँच जाय? ये नहीं हो सकता? अच्छे-2 संकल्प करो। क्या? बाबा ने अगर बोला है कि ड्रामा की ढाल को कैसे यूज़ करना है उल्टा यूज़ नहीं करना। पुरुषार्थ को आगे रखना है और ड्रामा को पीछे। जो बीती सो ड्रामा। बीती बातों के लिए ड्रामा रखो। पुरुषार्थ के लिए कभी ऐसे नहीं।

Student: There is certainly the bondage, isn't there?
Baba: If there is bondage, it will break. In the year 47... Those who were kept locked under seven locks till the year 46, did their bondage break in the year 47 altogether or not? And did they reach Baba first of all or not? (Students: They reached him.) Similarly, when the time for the *result* to be declared comes, who knows Baba may send you a *trunk call*[6]: 'The last train is going to depart, come'; and you may reach first? Can't this be possible? Create good thoughts. What? If Baba has said about how the shield of *drama* should be used; you should not use it in wrong way. You have to keep *purushaarth* in the front and *drama* at the back. Whatever has passed is *drama*. Keep *drama* for the past. You should never [think] like this for *purushaarth*.

जिज्ञासु:- वो ही पूछ रहे हैं परंतु उसको बंधन ही बंधन है।

[6] By saying trunk call Baba means telegram.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- बंधन ही बंधन होने दो। हमने खूब बंधन में डाला होगा 63 जन्म तो हमको बंधन मिल रहा है। तो अच्छी बात है ना। हम राजा बने, हमने सबको बंधन में डाल करके रखा, तो हम फायदे में रहे ना। उस समय तो भगवान नहीं था इसलिए हमको एक गुणा पाप चढ़ता था। और अभी? अभी तुम्हें भगवान मिला है। अगर कोई हमारे साथ पाप करेगा, हमको दु:ख देगा तो उसको कितना गुणा मिलेगा? सौ गुणा। सौ गुणा पाप चढ़ेगा। तो आप फायदे में हैं कि घाटे में हैं? फायदे में हैं। खुश रहो। जितना ज्यादा बंधन उतना ज्यादा खुश रहो। बाँधेलियों को ज्यादा याद आती है, या छूटेलों को ज्यादा याद आती है?

जिज्ञासु:- बाँधेली को।

बाबा:- तो फिर? याद से ही तो फायदा है।

Student: That is what I am asking. But she has many bondages.
Baba: Let there be many bondages. We must have put [others] in many bondages in the 63 births. So, we are being bound in bondage now. So, it is good, isn't it? When we became kings, we put everyone in bondage; so, we we were in benefit, weren't we? God was not present at that time; this is why we accumulated one fold sin. And now? Now you have found God. If someone commits sins in relation to us, if someone gives us sorrow, then how many fold sins will he accumulate? Hundred fold. He will accumulate hundred fold sins. So, are you at benefit or loss? You were at benefit. Be happy. The more bondage you have the happier you should be. Do the *baandhelis* (mothers/sisters in bondage) remember [Baba] more or do the free ones remember more?
Student: Those in bondage.
Baba: Then? There is benefit only in remembrance.

समय:- 21.23 से 24.21

जिज्ञासु:- बाबा, शिव के मंदिर में सावन के महीने में क्यों पानी डालते हैं?

बाबा:- और महीने में नहीं डालते ।

जिज्ञासु:- हाँ। और सोमवार को ज्यादा...

बाबा:- एक बात। ☺ श्रावण के महीने में ज्यादा बरसात होती है, या और महीनों में ज्यादा बरसात होती है ? (सबने कहा श्रावण के महीने में।) ज्ञान की बरसात संगमयुग में ज्यादा होती है कि और युगों में ज्यादा होती है? (सबने कहा संगमयुग।) तो संगमयुग श्रावण का महीना है। क्या? तो श्रावण के महीने में शिवबाबा के ऊपर जल चढ़ाने लगे। क्योंकि शिवबाबा ने सबसे ज्यादा जल दिया है। ज्ञान जल किसने दिया? शिवबाबा ने दिया। लेकिन शिवबाबा के ऊपर जल चढ़ाते हैं या लिंग के ऊपर जल चढ़ाते हैं?

जिज्ञासु: लिंग के ऊपर चढ़ाते हैं।

बाबा: लिंग के ऊपर जल चढ़ाते हैं तो सबसे ज्यादा ज्ञान जल कौन धारण करता है? लिंग किसकी यादगार है? मुकर्रर रथ की यादगार है। तो मुकर्रर रथ सबसे ज्यादा ज्ञान जल ग्रहण करता है। इसलिए उसके ऊपर भक्तिमार्ग में जल चढ़ाते हैं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 21.23-24.21
Student: Baba, why is water poured [over Shivling] in the temple of Shiva in the month of *Saavan* (July-August)?
Baba: They don't pour it in any other month.
Student: Yes. And on Mondays mostly...
Baba: One question at a time. ☺ Is there more rainfall in the month of *Shraavan* or in other months? (Everyone said: In the month of *Shraavan*.) Does the rain of knowledge fall more in the Confluence Age or in other ages? (Everyone said: The Confluence Age.) So, the Confluence Age is the month of *Shraavan*. What? So, people started pouring water over Shivbaba in the month of *Shraavan* because Shivbaba has given the maximum water. Who gave the water of knowledge? Shivbaba gave it. However, do people pour water over Shivbaba or over the *ling*?
Student: They pour it over the *ling*.
Baba: They pour water over the *ling*; so, who assimilates the maximum water of knowledge? Whose memorial is the *ling*? It is a memorial of the permanent chariot. So, the permanent chariot assimilates the maximum water of knowledge. This is why water is poured over him in the path of *bhakti*.

जिज्ञासु:- सोमवार को ज्यादा...
बाबा:- सोमवार का ज्यादा महत्व है। सोमवार को खास लोटी चढ़ायेंगे। क्या? और लोटी में क्या करेंगे? लोटी में पानी ढेर सारा और दूध थोडा-सा। माना जो कन्यायें हैं वो लोटी हैं। क्या? कन्यायें जो हैं एक तरह से लोटी हैं। उनमें ज्ञान थोडा-सा है, और पानी ढेर सारा भरा हुआ है। उतना ज्ञान थोडे ही है जितना शिवबाबा में ज्ञान है या जितना प्रजापिता में ज्ञान है? थोडा-सा ज्ञान है, बाकी सारा पानी है। तो सोमवार के दिन खास चढ़ाते हैं। सोमवार का दिन का मतलब क्या हुआ? सोम माने कौन? चन्द्रमा का दिन। माना चन्द्रमा जब संपूर्ण बनता है तो तीसरा नेत्र खुल जाता है। तीजरी की कथा कहो, अमरनाथ की कथा कहो, सत्यनारायण की कथा कहो वो कब बनता है? जब तीसरा नेत्र खुलता है। तो सोमवार को खास ढेर की ढेर लोटियाँ चढ पडेंगी। माउण्ट आबू में जितनी सरेण्डर हुई हैं वो कहाँ जायेंगी सब? अव्यक्त वाणी में बोला हुआ है - अभी जो समर्पण समारोह मना रहे हो ये लास्ट नहीं है, अभी फिर दुबारा समर्पण समारोह मनावेंगे। क्या? जब बाप की प्रत्यक्षता होगी तो ढेर की ढेर लोटियाँ चढ पडेंगी। कौनसा दिन होगा वो? सोमवार कहा जायेगा । सूर्यवार नहीं। सूर्यवार तो अभी चल रहा है। अभी ज्ञान सूर्य का पुरुषार्थ चल रहा है। लेकिन ज्ञान सूर्य तब तक संपन्न नहीं हो सकता जब तक ज्ञान चन्द्रमा, ब्रह्मा रुपी बच्चा संपन्न न हो जाय। ज्ञान चन्द्रमा रुपी बच्चा वो संपन्न बनेगा तो सोम माने चन्द्रमा कहा जाता है। चन्द्रमा संपूर्ण हो जावेगा।

Student: On Mondays more...
Baba: There is more importance of Monday (*Somvaar*). People pour a *lotii*[7] of water especially on Mondays. What? And what do they do in the *lotii*? They pour a lot of water in the

[7] A small pot

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

lotii and add a little milk. It means the virgins are [like] *lotii*. What? In a way, the virgins are *lotii*, there is little knowledge and a lot of water in them. They don't have as much knowledge in them as Shivbaba or Prajapita has. There is little knowledge and the rest is water. So, they pour [water] especially on Mondays (*Somvaar*). What is meant by *Somvaar*? Who is Som? The day of the Moon. It means, when the Moon becomes complete, the third eye opens. Call it the story of Tiijri, the story of Amarnath[8] or the story of Satyanarayana (True Narayan), when is it made? It is when the third eye opens. So, many *lotii* will be offered [to the Shivling] especially on Monday. Where will all those who have surrendered in Mount Abu go? It has been said in the avyakt vani that the ceremony of being surrendered (*samarpan samaaroh*) that you are celebrating now is not the *last* one; now the ceremony of being surrendered will be organized once again. What? When the Father's revelation takes place, many *lotii* will be offered. So, which day will it be? It will be called *Somvaar*. Not *Suuryavaar* (Sun's day). *Suryavaar* is going on now. Now the Sun of knowledge is making *purushaarth*. But the Sun of knowledge cannot become complete until the Moon of knowledge meaning the child like Brahma becomes complete. When the Moon of knowledge in the form of child becomes complete... the Moon is called *Som*. The Moon will become complete.

समय:- 24.22 से 26.09

जिज्ञासु:- जो आदमी और औरत ज्यादा शिव भक्त होते हैं वा देवी माता के भक्त होते हैं, जगदम्बा हो, काली हो, उनके बाल क्यों जटा बनते हैं?

बाबा:- वो तो नकली हैं। वो अच्छे भगत नहीं हैं। वो नकली जटायें लगा लेते हैं। ऐसा कहीं होता नहीं है।

दूसरा जिज्ञासु:- अपने आप क्यों आ जाता है?

बाबा:- क्या?

जिज्ञासु: जटायें।

बाबा: जटायें बनाते हैं वो। जो आजकल के जटाधारी दिखाई पडते हैं वो स्पेशल जटायें आर्टिफिशल बनाते हैं। ऐसे नहीं कि उन्होंने ज्यादा तपस्या की है, लम्बे समय तक तो उनकी जटायें बन गई हैं। ये सब झूठे हैं।

जिज्ञासु:- फिर मन्दिर में सब बाहर से सब सन्यासी आते हैं जटाधारी।

बाबा:- वो सब आर्टिफिशियल हैं। जान बूझ करके उन्होंने जटायें बनाई हैं ताकि दूसरे लोग समझें कि हम बडे पुराने सन्यासी हैं। हमारी पुरानी तपस्या है।

तीसरा जिज्ञासु: ओरिजिल भी होते हैं।

बाबा: आपने नहीं देखा। ओरिजिनल कोई नहीं होते हैं।

चौथा जिज्ञासु:- बाबा, हमारे घर के पास ही एक है जो सर से पाँव तक जटायें हैं और उसका जटायें एक रात में ही ऐसे बन गई कहते हैं।

[8] Lord of the immortal ones

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- बनाई नहीं जाती हैं? आजकल ब्यूटी पार्लर हैं। ब्यूटी पार्लर में एक रात में क्या से क्या बना देते हैं। सुनी सुनाई बातों से भारतवासियों ने दुर्गति पाई है। ऐसा तो नहीं कि आपने श्रद्धा विश्वास धारण कर लिया हो, उसके चम्बे में आ गये हो?

जिज्ञासु: नहीं-2।

बाबा: नहीं ना।

जिज्ञासु: नहीं-2।

बाबा: नहीं-2। सच्ची बात है?

जिज्ञासु: हाँ। सच्ची।

बाबा: एक रात में ही जटायें बन गईं?

जिज्ञासु: नहीं। ☺ वो तो माना...

Time: 24.22-26.09
Student: Why does the hair of men and women who are firm devotees of Shiva or *devis* (female deities), like Jagdamba or Kali become matted?
Baba: They are fake [hairlocks]. They are not good devotees. They use artificial hairlocks. It does not happen like this anywhere.
A second student: How does it grow automatically?
Baba: What?
The second student: Locks.
Baba: They make [such] hairlocks. The people with hairlocks that you see nowadays make *special artificial* hairlocks. It is not that they have done more *tapasyaa*[9] for a long period due to which they have grown such hairlocks. All this is false.
Student: Sanyasis with hairlocks (*jataadhaari*) come to temples from outside.
Baba: All that is *artificial*. ☺ They have deliberately made [such] hairlocks so that other people think that they are very old *sanyasis*. They have done *tapasya* for a long period.
A third student: There are original [hairlocks] as well.
Baba: You haven't seen [them]. No one [has] *original* [hairlocks].
A fourth student: Baba, there is a person near our house who has matted hair from head to toe. And it is said that his hairlocks grew overnight.
Baba: Are they not made? Nowadays there are beauty parlours. In a *beauty parlour*, they change a person from what to what overnight! *Bharatwaasis* (Indians) have undergone degradation by listening to hearsay. It is not that you have faith [on him] and you are entangled in his clutches, is it?
The fourth student: No-2.
Baba: It isn't so, is it?
The student: No-2.
Baba: No-2. Is it true?
The student: Yes. It is true.
Baba: That he grew hairlocks overnight!
The student: No. ☺ That... I mean...

[9] Intense meditation

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय:- 26.11 से 27.03

जिज्ञासु:- बाबा, आसाम में जो ... अभी श्रावण महीने में, तो भक्त लोग वशिष्ठ के मन्दिर में जाते हैं। एक वशिष्ठ मन्दिर भी है। वहाँ झरना है। वहाँ से पानी लाकर और शिवलिंग है शुक्लेश्वर में, उसके ऊपर चढा देते हैं। रात भर जागते रहते हैं और सुबह चढ़ा देते हैं 4 बजे अमृतवेले में। तो इसका क्या अर्थ होगा?

बाबा:- अरे, रात में तो जागना ही होता है। अभी तुम जागरण कर रहे हो कि नहीं कर रहे हो?

जिज्ञासु:- हाँ।

बाबा:- हाँ, और वशिष्ठ ऋषि कौन है? ब्रह्मा बाबा वशिष्ठ ऋषि हैं। उनकी मुरलियों से ही तो ज्ञान जल निकला है। वो ज्ञान जल ले जाकर के जब सवेरा होगा सतयुग रुपी तो चढ़ा देंगे।

दूसरा जिज्ञासु:- और वो लोग सब लाल कपडे क्यों पहनते हैं?

बाबा:- राम की सेना है ।

जिज्ञासु: लाल कपड़ा पहनते हैं।

बाबा: राम की सेना है ना। ☺

Time: 26.11-27.03

Student: Baba, devotees go to the temple of Vashishth in the month of *Shraavan* ... in Assam. There is also a temple of Vashishth. There is a spring there; they bring water from that spring and pour it over the Shivling in Shukleshwar. They stay awake throughout the night and they pour water at four O' clock in *amritvela*. So, what does it mean?

Baba: *Arey*, in fact you have to remain awake in the night. Are you staying awake (*jaagran*) now or not?

Student: Yes.

Baba: Yes. And who is sage Vashishth? Brahma Baba is sage Vashishth. The water of knowledge has come only from his murlis. They will offer the water of knowledge when the Golden Age like morning comes.

Another student: And why do all of them wear red clothes?

Baba: It is the army of Ram.

The other student: They wear red clothes.

Baba: It is the army of Ram, isn't it? ☺

समय:- 27.03 से 27.43

जिज्ञासु:- पानी चढ़ाने वाले जाते हैं ना वो बोलते रहते हैं, नारा लगाते रहते हैं।

बाबा:- क्या नारा लगाते हैं?

जिज्ञासु:- भोलेनाथ आया हुआ है।

बाबा:- आया हुआ है। तो आया ही हुआ है। (किसीने कुछ कहा।) जानते नहीं तो झूठ ही हो गया ना। जो चीज जानते नहीं हैं, और बोल रहे हैं। कोई पूछे कहाँ आया हुआ है? तो ए! तो झूठ हो गया ना।

जिज्ञासु: जानते नहीं लेकिन ...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा: भक्तों में बहुत सी ऐसी बातें चलती हैं।

Time: 27.03-27.43
Student: The people who go to offer water [to Shivling] keep saying, they keep raising slogan.
Baba: What slogan do they raise?
Student: Bholenath[10] has come.
Baba: He has come. He has really come. (Someone said something.) When they do not know [about it], it is just false, isn't it? They are saing it [but] they do not know [about it]. If someone asks: Where has he come? [They will think:] Eh? So, it is false, isn't it?
Student: They don't know [about it] but...
Baba: Many such things are practiced by the devotees.

समय:- 27.44 से 28.34

जिज्ञासु:- बाबा, पूजा में तो चावल देते हैं... जैसे पूजा होती है तो तिल ... ये सब भी डालते हैं। तो तिल का मतलब क्या हो गया?

दूसरा जिज्ञासु: मूर्तियों की पूजा होती है ना, उसमें चावल देते हैं ना, बेल पत्र , फूल वूल देकर पूजा वूजा करते हैं; उसके साथ-2 तिल भी देते हैं। इसका...

बाबा:- हाँ, तिल जब डाला जाता है ना तो चटाक-2 आवाज आती है ना। (सभी ने कहा हाँ।) यादगार है।

तीसरा जिज्ञासु:- तिल भी कोई औरत नहीं डालते हैं, तिल पुजारी ही डाल सकते हैं। औरत नहीं डाल सकती है। ये एक नियम है।

बाबा:- पुजारी ही तो चटाक पटाक करता है । कोई साधारण लोग थोडे ही करेंगे?

Time: 27.44-28.34
Student: Baba, people offer rice during worship... for example, when worship takes place, they also offer *til* (sesame)... so, what is meant by *til*?
A second student: When people worship idols, they offer rice, leaves of *bel*[11] [tree], flowers etc.; along with that they also offer *til*. Its...
Baba: Yes, when they put *til* [in the sacrificial fire], it creates a crackling sound, doesn't it? (Everyone said: Yes.) It is a memorial.
A third student: Women don't put *til* [in the fire]; only the priests can put *til*. Women cannot put it. This is a rule.
Baba: It is the priest who does *'chataak-pataak'*[12]; ordinary people won't do it.

समय:- 28.36 से 30.37

जिज्ञासु:- बाबा, कोई-2 ऐसे सोचते हैं, ज्ञान में चलते हैं, जरुर कुछ कमी है। ये बात ठीक है, कुछ कमी है, सुखी नहीं है, इसलिए...

[10] Lord of the innocent ones, a title of Shankar
[11] Leaf of wood-apple tree
[12] Sound produced when something is put into the sacrificial fire

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- माना जो ज्ञान में नहीं चलते हैं उनमें कोई कमी नहीं है? वो देवता बन गये?

जिज्ञासु:- नहीं। माने ज्ञान में चलते रहते हैं ...

बाबा:- ज्ञान में जो चलते हैं उन्हीं में कमी है। और जो ज्ञान में नहीं दुनियां में चलते है उनमें कोई कमी नहीं है? वो देवता हैं?

जिज्ञासु:- कुछ आत्मायें ऐसे सोचते हैं।

बाबा:- सोचती हैं, सोचने दो। राँग है उनका सोचना।

जिज्ञासु:- हाँ, ठीक है। सुखी नहीं है इसलिए बाप आया है बच्चों को सुख का वर्सा देने।

बाबा:- दुखियों को ही सुखी बनाने के लिए आया है ना।

जिज्ञासु:- लेकिन कुछ आत्मायें ऐसे भी कहते हैं, मेरे पास सब कुछ है, गाडी है, बाडी है, बैंक बेलन्स है, सब कुछ होते हुये भी मुझे क्यों ज्ञान मिला? उसके ऐसे बातों से तो अहंकार की बू आती है तो आपका उसके बारे में क्या उत्तर है?

Time: 28.36-30.37
Student: Baba, there are some who think that people follow the path of knowledge; it means they definitely have some shortage. It is correct that they have some shortage, they are not happy that is why...
Baba: Do you mean to say that those who do not follow the path of knowledge have no fault? They have become deities?
Student: No. They keep following the path of knowledge...
Baba: [You mean to say:] There is fault in only those who follow the path of knowledge. And those who are not on the path of knowledge, who follow the world don't they have any fault? Are they deities?
Student: Some souls think that.
Baba: If they think, let them think. Their thinking is *wrong*.
Student: Yes, it is correct. They are not happy. This is why the Father has come to give the inheritance of happiness to the children.
Baba: He has come only to make the sorrowful ones happy.
Student: But some souls say: "I have everything, a car, a [good] bank balance; despite having everything why did I get the knowledge?" Such words said by him express his ego. What do you say about them?

बाबा:- माना सब कुछ है फिर भी ज्ञान में आ गये। (जिज्ञासु: ज्ञान में आ गये।) आगे चलकर टूट पडेंगे। वो पीछे रह जायेंगे। जो गरीब हैं, जो समझते हैं, खुशी में हैं, आहा, हमको बाबा ने जो दिया वो सब कुछ दिया। हम से ज्यादा भाग्यशाली कोई नहीं। वो ही चलते रहेंगे। बडे-2 आदमियों को तो बाबा काम निकालने के लिए निमित्त बनाय लेता है। वो अंत तक निमित्त नहीं रहेंगे। जैसे ब्रह्मा बाबा। ब्रह्मा बाबा बडे आदमियों में थे, साहुकार लोगों में थे या साधारण लोगों में से थे या गरीब थे? साहुकार थे, गरीब तो नहीं थे। फिर उनसे काम निकाला और गये। तो जब ब्रह्मा बाबा का ही ये हाल है तो ऐसे-2 राईसजादों का क्या हाल होगा? कि भगवान ने हमको क्यों उठाया? अपना काम निकालने के लिए उठाया। काम निकल जायेगा खेल खलास। तो फायदे

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

में रहे कि घाटे में रहे? घाटा हो जायेगा। जैसी भावना वैसे ही प्राप्ति होती है। इसलिए भावना हमेशा श्रेष्ठ रखनी चाहिए।

Baba: They mean to say that they have everything yet they received knowledge? (Student: They came in knowledge.) They will break away in future. They will lag behind. Those who are poor; who think: "We are happy. *Aha*, Baba has given us everything. There is nobody more fortunate than us." They alone will continue to follow [the path of knowledge]. Baba makes the wealthy people instrument for achieving his purpose. They will not stay as instrument till the end; like Brahma Baba. Was Brahma Baba counted among the wealthy people, rich people or among the ordinary people; or was he poor? He was a prosperous person; he was certainly not a poor person. Then, He (Baba) achieved his purpose from him and he (Brahma Baba) expired. So, when Brahma Baba's condition is this, what will happen to such rich people [who think:] 'Why did God choose me'? He chose them for achieving His purpose. When the purpose is achieved, the play will end. So, were they at benefit or at loss? They will suffer loss. The attainment is according to the feelings. This is why you should always have an elevated feeling.

समय:- 30.38 से 33.04

जिज्ञासु:- बाबा, इलाहाबाद में जो संगम स्थल दिखाया है गंगा, जमुना, सरस्वती तीनों का। तो ऐसे तो हद में है, तीनों देवी का, तीनों नदी का संगम स्थल इलाहाबाद माना जाता है। बेहद में तो होता है ऐसा, कब होगा? तीनों नदियों का मिलन?

बाबा:- माना होगा ही नहीं?

जिज्ञासु:- नहीं, होगा तो जरुर। कब तक होगा? अंत में या विनाश के पहले, या विनाश के बाद? तीनों का संगम तो होना ही है।

बाबा:- अरे, पहले संगम होता है कि बाद में संगम होता है? संगम यादगार ही गाई जाती है इस समय की। लास्ट होगा तो गंगा नदी निकलेगी। गंगायें कब निकलती हैं? अभी यमुना भी निकली, अभी सरस्वती भी निकली। सरस्वती जगदम्बा निकली कि नहीं ? यमुना निकली कि नहीं? यमुना भी निकली। कौन रह गई?

जिज्ञासु: गंगा रह गई।

बाबा: ज्ञान गंगा निकलेगी तो तीनों नदियों का मेल होगा ।

Time: 30.38-33.04
Student: Baba, the place of the confluence of Ganga, Yamuna and Saraswati has been shown at Allahabad. That is a limited [confluence]. Allahabad is considered to be the confluence of all the three *devis*, all the three rivers. It happens in the unlimited too; when will that happen? [When will] all the three rivers meet?
Baba: Do you mean to say that it will not happen at all?
Student: No, it will definitely happen but when will it happen? Will it happen in the end, before the destruction or after the destruction? The confluence of all the three is bound to happen.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Arey*, does the confluence take place first or does it happen later? The very memorial of the confluence pertains to the present time. When the *last* [time] comes, river Ganga will come. When do the Gangas come? Now, Yamuna has come, Saraswati has also come; has Saraswati Jagdamba come or not? Has Yamuna come or not? Yamuna has also come. Who is remaining?
Student: Ganga is remaining.
Baba: All the three rives will meet when the Ganga of knowledge comes.

दूसरा जिज्ञासु:- सरस्वती तो गुप्त है ना?
बाबा:- तो गुप्त नहीं है अभी? अभी दिखा दो सरस्वती जगदम्बा कहाँ है, दिखाओ? दिखायेंगे? तो गुप्त हुई ना।
जिज्ञासु:- तो गंगा आसाम से निकल कर बंगाल में मिल जायेगी।
बाबा:- आसाम से गंगा नहीं निकलती है।
जिज्ञासु:- नहीं-2 ब्रह्मपुत्रा ...
बाबा:- ब्रह्मपुत्रा नदी। ब्रह्मापुत्रा नदी जो है मानसरोवर से निकलती है। और फिर आकर के सागर में मिल जाती है। ब्रह्मपुत्रा में ही फिर आकर के गंगा मिलती है। क्या? (जिज्ञासु:- ब्रह्मपुत्रा में गंगा मिलती है।) गंगा मिलती है।
तीसरा जिज्ञासु:- शास्त्रों में बोलते है ब्रह्मपुत्र, एक ही पुरुष है नदी में और सब स्त्रियाँ हैं।
बाबा:- और क्या?
तीसरा जिज्ञासु: तो ब्रह्मपुत्री क्यों बोलते हैं?
बाबा: शास्त्रों में ब्रह्मपुत्री बोलते हैं। शास्त्रों में नक्शे में जो नाम है वो ब्रह्मपुत्री है। क्या? भक्तिमार्ग में जो नाम है ब्रह्मपुत्री है कि पुत्रा है? पुत्री नाम है। तो कहाँ की यादगार है शास्त्रों में? यहाँ की यादगार है।

A second student: Saraswati is hidden, isn't she?
Baba: Isn't she hidden now? Show us where Saraswati Jagdamba is. Show us! Will you show her to us? So, she is hidden, isn't she?
Student: Ganga comes from Assam and merges in Bengal.
Baba: Ganga does not come from Assam.
Student: No, no. Brahmaputra...
Baba: River Brahmaputra. River Brahmaputra comes from Mansarovar[13]. She comes and merges with the ocean later. Ganga also comes and merges with the Brahmaputra. What? (Student: Ganga meets with Brahmaputra.) It meets with Brahmaputra.
A third student: It is said in the scriptures that Brahma**putra**[14] alone is a male among the rivers, all the rest are females.
Baba: Is it not so?
The student: Then, why is it said Brahma**putrii**[15].

[13] Name of a sacred lake on mount Kailash in the Himalayas
[14] *Putra* means son
[15] *Putri* means daughter

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: It is called *Brahmaputrii* in the scriptures. The name mentioned in the scriptures, on the map is *Brahmputrii*. What? Is its name in the path of *bhakti* '*Brahmaputrii*' or *'putraa*'? The name is *putrii*. So, the memorial in the scriptures pertains to which period? It is a memorial of the present time.

जिज्ञासु:- तो वो छोटी मम्मी हो गई।

बाबा:- हाँ, जी। वो सबसे ऊँची स्टेज से निकलती है, इतनी ऊँची स्टेज से कोई नदी नहीं निकलती है। और इतना लम्बा-2 कोई नदी नहीं बहती है। भारत की जितनी भी नदियाँ है उनमें से सबसे लम्बी नदी कौनसी है? और सबसे ज्यादा पानी किसमें रहता है? ब्रह्मपुत्रा में। शुद्ध जल रहता है। ये अभी जब से इधर आई है मैदान में तब से पानी गंदा होता है लास्ट में आकर के।

Student: So, she happens to be the junior mother.
Baba: Yes. She comes from the highest *stage*; no other river comes from such a high *stage*. And no other river flows for such a long distance. Which is the longest river among all the rivers of India? And which river contains the maximum water? Brahmaputra. It contains pure water. Ever since it has come to the plains, its water became dirty in the *last*.

समय:- 33.05 से 33.56

जिज्ञासु:- टी.वी. में कहते हैं दस साल बाद गंगा नहीं रहेगी, सूख जायेगी।

बाबा:- हाँ, गंगा ब्रह्मपुत्रा में मिल जायेगी फिर क्या? गंगा का काम क्या ? छोटी मम्मी और गंगा मिल करके एक हो जायेगी।

जिज्ञासु:- .... ब्रह्मपुत्रा आसाम में हैं...

बाबा:- आसाम का नाम आसाम क्यों पडा?

जिज्ञासु:- लास्ट में आये हैं ?

बाबा:- शाम हो गई।

जिज्ञासु:- वही तो।

बाबा:- हाँ, ब्रह्मपुत्रा शाम में आ जाती है। नहीं तो सवेरे में है। यज्ञ के आदि में भी थी, और शाम में आ जाय तो आसाम में आ जाय। आसाम में आ जाय फिर गंगा का मेल हो। उसे कहते हैं नुमायशाम।

Time: 33.05-33.56
Student: It is broadcasted on TV that the Ganga will not survive after ten years; it will dry up.
Baba: Yes, the Ganga will merge with Brahmaputra. Then what... what will be the work of Ganga? The junior mother and Ganga will combine and become one.
Student: ... Brahmaputra in Assam...
Baba: Why was Assam named as Assam?
Student: They have come in the end?

Baba: Evening came (*shaam ho gayi*).
Student: It's the same thing.
Baba: Yes, Brahmaputra comes in the evening. Otherwise, she is in the morning. She was present even in the beginning of the *yagya* and if she comes in the evening, she comes in Assam. When she comes in Assam she will merge with the Ganga. It is called *numaayshaam* (evening time).

समय:- 34.04 से 34.33

जिज्ञासु:- आसाम में ही ज्यादा तरह विदेशी लोग रहते हैं बाबा। जैसे पाकिस्तानी, बांगलादेश, नेपाली, भूटान सब।

बाबा:- आसाम में नहीं रहते हैं पाकिस्तानी। पाकिस्तानी रहते हैं बांगलादेश में। बांगलादेश में जब ब्रह्मपुत्रा पहुँचेगी तब गंगा नदी आकर के बांगलादेश में मिलेगी। क्या? ये जो माउण्ट आबू में बैठे हुये हैं वो सब कहाँ कन्वर्ट होने वाले हैं सब? मुसलमान हैं सब। ☺

Time: 34.04-34.33
Student: Baba, many foreigners live in Assam. For example, the Pakistanis, Bangladeshis, Nepalese, Bhutanese, all.
Baba: Pakistanis don't live in Assam. Pakistanis live in Bangladesh. When Brahmaputra reaches Bangladesh, the river Ganga will then come and meet with it in Bangladesh. What? Where will all those who are sitting in Mount Abu *convert*? All are Muslims. ☺

समय:- 34.36 से 37.31

जिज्ञासु:- बाबा, एक दिन एक पुजारी ने पूछा था हमको, ये कपास जो है ना उसका बीज होता है ना उसके चारों तरफ रूई होती है और अंदर एकदम छोटा-सा बीज होता है...

बाबा:- एक नहीं होता है। कई होते हैं।

जिज्ञासु:- ऐसे तो ज्यादा ही होता है फिर भी एक निकाल के ले आये तो उसका बीज एक ही होता है। तो वो पुजारी लोग पूछे थे हमको ये क्यों दिया जाता है यज्ञ में?

बाबा:- किसको दिया जाता है?

जिज्ञासु:- पूजा में जैसे आम डाली, आम पत्ते लगाते हैं उसके साथ रुई भी लगाते हैं। तो उसके अंदर जो बीज है ये किसकी यादगार है?

बाबा:- कहाँ लगाया जाता है?

जिज्ञासु:- ऐसे पूजा में तो रुई लगाते हैं ना बाबा।

बाबा: पूजा में रुई ?

जिज्ञासु: हाँ। आसाम में ऐसा विधि है।

दूसरा जिज्ञासु: पूजा की सामग्री है ऐसी आसाम में।

बाबा: बत्ती बनाते हैं ना रूई की।

दूसरा जिज्ञासु: बत्ती तो बनाते हैं ऐसे भी लगाते हैं। रूई देके कुछ-2 करते हैं। सजाते भी है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 34.36-37.31
Student: Baba, one day a priest (*pujaari*) asked me that the cotton seed is covered by cotton from all the sides and the seed inside it is very small...
Baba: There is not just one [seed], there are many.
Student: There are many but if we take one of them, it has only one seed. So, those priests asked me why it is offered in the *yagya*.
Baba: Whom is it offered to?
Student: Just like twigs of mango tree and mango leaves are fixed in [place of] worship, cotton is also fixed. So, the seed in it is a memorial of what?
Baba: Where is it fixed?
Student: Baba, cotton is used in worship, isn't it?
Baba: Cotton in worship?
Student: Yes. There is this practice in Assam.
Another student: These materials for worship are used in Assam.
Baba: They make wicks out of cotton, don't they?
The other student: They do make wicks out of it but they also fix it.They offer cotton and do something. They also use it for decoration.

बाबा: बीज की बात पूछ रहे हैं। रूई की बात नहीं पूछ रहे हैं।
जिज्ञासु: रूई के अंदर जो बीज होता है ना उसका कोई तो मतलब होता है ना बाबा।
बाबा:- लो, रुई के अंदर जो बीज है उसका कोई मतलब ही नहीं? लो, बीज में तो सबसे ज्यादा घी होता है। जानवरों को जो बिनौला खिलाया जाता है उसमें सबसे ज्यादा घी और सबसे ज्यादा दूध निकलता है। गाढा दूध निकलता है। वो तो असली चीज है।
दूसरा जिज्ञासु: ज्ञान...
बाबा: हाँ, शुद्ध ज्ञान जल है।
जिज्ञासु:- रुई बहुत हल्का होता है।
बाबा:- वो तो हल्की चीज होती है बिनौला तो भारी चीज होती है। बीज है ना। बीज में ज्यादा ताकत है, या उसके आस पास से ज्यादा ताकत है?
जिज्ञासु:- बीज में ही ज्यादा ताकत है। तब रुई और आम के पत्ते या डालियाँ ही क्यों लगाते हैं पूजा में?
बाबा:- आम फलों का राजा होता है। क्या? जो फलों का राजा है वही सारे संसार का बीज है। जो बीज है उसके पत्ते भी पूजा में काम में आते हैं, उसकी लकडी भी पूजा में काम में आती है, सब कुछ काम में आ जाता है। सृष्टि का ऐसा बीज है जिसका तन, मन, धन, समय, संपर्क, संबंध, सब कुछ काहे में स्वाहा हो जाता है? ईश्वरीय सेवा में स्वाहा हो जाता है। आम फलों का राजा माना जाता है।

Baba: She is asking about the seed. She is not asking about cotton.
Student: Baba, the seed in the cotton also has some meaning, doesn't it?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Lo*[16]! Is there no meaning of the seed within cotton? *Lo*, the seed has the maximum *ghee*. The cotton seed (*binaulaa*) that the animals are fed has maximum ghee and milk. Thick milk is extracted from it. That is the genune thing.
The second student: Knowledge...
Baba: Yes, it is the pure water of knowledge.
Student: Cotton is very light.
Baba: It is certainly light, but cotton seed (*binaulaa*) is heavy. It is the seed, isn't it? Is there more power in the seed or in [the cotton] around it?
Student: The seed contains more power.Why is cotton and mango leaves or branches used in worship?
Baba: Mango is the king of fruits. What? The king of fruits itself is the seed of the entire world. Its seed, its leaves are also used in worship; its wood is also used in worship; everything comes in use. It is such a seed of the world whose body, mind, wealth, time, contact, relationship, everything is sacrificed in what? It is sacrificed in God's service. Mango is considered to be the king of fruits.

समय:- 37.33 से 38.22

जिज्ञासु:- शादी में सात फेरे क्यों लेते हैं? जब शादी होता है सात फेरे क्यों लेते हैं?

बाबा:- सात चक्कर लगाये होंगे जगदम्बा ने।

जिज्ञासु:- सात फेरे लगाया।

बाबा:- और क्या? चक्कर काटते हैं ना। किसी का बनने के लिए चक्कर काटते हैं। फिर गीत गाते हैं, 'अभी तो बेटी बापै की'। पहली भाँवर लेंगे तो भी कहेंगे, 'अभी तो बेटी बापै की'। दूसरी भाँवर लेंगे (तो भी कहेंगे), 'अभी तो बेटी बापै की'। सात फेरे पूरे हो जायेंगे तब क्या कहेंगे? अब बनी जाकर के। ऐसे ही ये चक्कर काटने वाली बात है। कोई पतंगे होते हैं - आये और स्वाहा हुये, और कोई पतंगे होते हैं, आये और चक्कर काटे और भाग गये। फिर आये, फिर चक्कर काटा, फिर भाग गये। ऐसा जीवन है। ☺

Time: 37.33-38.22
Student: Why are seven rounds taken [around fire] at the time of marriage? When marriages are performed, why do they take seven rounds (*saat fere*)?
Baba: Jagdamba must have taken seven rounds.
Student: She took seven rounds.
Baba: What else? People take rounds, don't they? They go around [the sacrificial fire] to become someone's [wife/husband]. Then they sing the song: *'Abhii to betii baapai kii'* (the daughter still belongs to the father); when they take the first round they say *'Abhii to betii baapai kii'* ; when they take the second round [they again say] *'Abhii to betii baapai kii'* ; when all the seven rounds are over, then what do they say? 'It is now that she belongs to [her husband]'. Similar is the case with taking these rounds. There are some moths that come and sacrifice themselves immediately; and there are some moths that come, take rounds and run away; they come again, take rounds and then run away. Their life is such. ☺

[16] An expression in Hindi which expresses surprise

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय:- 38.25 से 38.40

जिज्ञासु:- शास्त्रों में है बाबा 12 साल को एक युग माना जाता है।

बाबा:- काहे में?

जिज्ञासु:- शास्त्रों में बोलते हैं ...

बाबा:- शास्त्रों में हैं। 12 सौ वर्ष को उन्होंने 12 साल बोल दिया है। है 12 सौ वर्ष की बात।

Time: 38.25-38.40
Student: Baba, it is said in the scriptures that 12 years are considered to be equal to one age.
Baba: In what?
Student: It is said in the scriptures …
Baba: In the scriptures. They have said 1200 years to be 12 years. It is [actually] about 1200 years.

समय:- 38.49 40.40

जिज्ञासु:- लड़की जब माइका छोड देती है तब चावल दे जाती है। किस लिए?

बाबा:- हाँ, माइका छोड देती है , अपने घर की हो गई तो चावल दे दो माना... (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, चावल जो है वो संपूर्ण आत्मा की यादगार है। चावल के ऊपर जो छिल्का चढा हुआ होता है वो देहाभिमान की यादगार है। क्या? लक्ष्मी नारायण की या शंकर पार्वती की शादी होगी तो उस समय संपूर्ण आत्मायें बन जायेंगी या अधूरी आत्मायें रहेंगी, देहभान वाली रहेंगी? पुरुषार्थ करते-2 संपूर्ण चावल बन जायेंगे। चावल देगी।

Time: 38.49-40.40
Student: When a daughter leaves her father's home, she gives rice and then goes. Why?
Baba: Yes. She left her father's home and became a member of her own home (husband's home). So, she gives rice. It means... (Student said something.) Yes. Rice is a memorial of the complete soul. The covering on rice is a memorial of body consciousness. What? When Lakshmi and Narayan or Shankar and Parvati are married, will they become complete souls or will they remain incomplete souls, the ones with body consciousness? Through continuous *purushaarth* they will become complete rice. She will give rice.

अरे, भक्तिमार्ग का तो अथाह सागर है। बातें वो निकालनी चाहिए जो मुरली में बाबा ने बोली है, अव्यक्त वाणी में बोली है, क्लैरिफिकेशन में बोली है । और तो सब भूसा है। और बाबा ने जो कुछ ब्रह्मा के मुख से बोला है वो ही सार है। गुल्जार दादी के तन से जो कुछ बोला है वो सार है, और टीचर के रुप में जो क्लैरिफिकेशन दिया है वो भी, सार की बातें भक्तिमार्ग की बोली गई है उन बातों का मनन चिंतन मंथन करना चाहिए। बाकी टी.वी. में क्या देखा, अखबारों में क्या सुना, क्या पढा, उन बातों में मनन चिंतन मंथन करने से अधूरा मंथन कहेंगे।

Arey, the path of *bhakti* is a bottomless ocean. You should raise such topics which Baba has said in the *murlis, avyakt vanis*, and clarifications. Everything else is husk. And whatever Baba

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

has spoken through Brahma's mouth, only that is the essence. Whatever He has spoken through Gulzar Dadi's body is the essence; and you should think and churn over the topics of essence from the path of *bhakti* said in the *clarification* given through the form of the *Teacher*. Nonetheless, if you think and churn over the topics [related to] what you saw on TV, listened to and read in newspapers, then it will be called incomplete churning.

समय:- 41.02 से 42.46

जिज्ञासु:- बाबा, याद के बल से अगर दैवी गुण न आ जाये तो क्या करना पडेगा दैवी गुण धारण करना पडेगा?

बाबा:- नहीं, पडेगा नहीं। आटोमेटिक आ जायेंगे। जिनकी याद की यात्रा परिपक्व होगी, तीखी होगी जैसे बाँधेली मातायें हैं, बूढी मातायें हैं। बाँधेली माताओं को बहुत प्रेशर रहता है, लेकिन बाबा की तरफ खिंचावट भी ज्यादा रहती है तो याद की यात्रा उनकी ज्यादा हो गई ना। दुनियावी धंधा-धोरी में और तो बुद्धि सारी घिस गई, बच्चों की पालन पोषण में। तो और बातों में बुद्धि उतनी नहीं जा पाती है। याद की यात्रा में अगर लगी रहे तो अंत में क्या होगा ऐसी याद की यात्रा से बीजरुप स्टेज बनेगी उस बीज में सब कुछ आ जायेगा। क्या? जिसको देखेंगे वो ही ज्ञान में निकल आयेगा। तो सेवा भी हो गई, लास्ट में क्या होगा? फस्ट क्लास सेवा हो जायेगी। और आत्मा में ऐसी शक्ति आ जायेगी स्वत: ही कि धारणा के सारे पाइंटस प्रैक्टिकल जीवन में समा जावेंगी। आत्मा संपन्न बन जावेगी। धारणा उनको करने की भी दरकार नहीं। याद में सब कुछ भरा हुआ है। चारों सब्जेक्ट भरे हुये हैं। कोई याद में पास है और तीन सब्जेक्ट में बिल्कुल फेल है दूसरों के नजरों में, तो याद में जो पास होगा वो चारों सब्जेक्ट में क्या माना जायेगा? पास ही माना जायेगा। और तीन सब्जेक्ट में पूरा पास है और याद में फेल है तो क्या माना जायेगा? फेल ही माना जायेगा। तो याद मुख्य है।

Time: 41.02-42.46
Student: Baba, what should we do if we are not able to assimilate divine virtues through the power of remembrance? Will we have to assimilate divine virtues?
Baba: No. You will not **have to** [assimilate them]. They will come into you automatically. Those whose journey of remembrance will be firm, intense... for example the mothers in bondage (*baandhelii*), old mothers. The mothers in bondage are pressurized a lot, but they have more pull towards Baba as well; so, they performed the journey of remembrance more, didn't they? Their entire intellect was worn out in the worldly affairs, in the upbringing of the children. So, the intellect is unable to approach other topics much. If they remain engaged in the journey of remembrance, then in the end they will attain such a seed form *stage* through the journey of remembrance that everything will be included in that seed. What? Whoever they see will come in knowledge. So, service also took place. What will happen in the end? *First class* service will be done. And the soul will automatically attain such power that all the *points* of *dharana* (assimilation of divine virtues) will be assimilated in the life in practice. Then, the soul will become perfect. There is no need for them to even assimilate [divine virtues]. Everything is contained in remembrance. All the four subjects are contained in it. If someone has passed in remembrance and has totally failed in the [other] three subjects in the eyes of the others, then the one who has passed in remembrance, what will he be considered to be in the

four subjects? He will be considered to have passed. And if someone has fully passed in the three subjects but has failed in remembrance, what will he be considered to be? He will be considerd to have failed for sure. So, remembrance is important.

समय:- 42.47 से 45.03

जिज्ञासु:- याद भी तो बाबा अमृतवेले की याद ही तो श्रेष्ठ है ।

बाबा:- अमृतवेला नहीं होगा तो सारा दिन याद जमेगा ही नहीं। सारा दिन अगर याद जमानी है तो अमृतवेला आत्मिक स्थिति जरुर पक्की करनी है। कम से कम दस मिनट तो जरुर हो। उठते ही उठते कुछ न याद आये मैं आत्मा ज्योति बिंदु स्टार। टिक जाओ।

जिज्ञासु:- 5 बजे तक तो अमृतवेला है।

बाबा:- पौने पाँच बजे तक। माना सूर्य निकलने से थोडा समय पहले।

जिज्ञासु:- तो लास्ट दस मिनट करने से हो जायेगा?

बाबा:- दस मिनट ही अगर फाउण्डेशन पक्का डाल दिया कि मैं आत्मा ज्योति बिंदु हूँ। दूसरा कुछ न याद आये तो सारा दिन बढिया अवस्था रहेगी। और दो बजे से लेकरके पौने पाँच बजे तक अच्छा पुरुषार्थ कर लिया फिर तो कहना ही क्या? लेकिन बातें बहुत हो जाती हैं। ☺

Time: 42.47-45.03
Student: Baba, even in case of remembrance, it is remembrance at *amritvelaa* that is elevated.
Baba: If you don't do *amritvelaa* you will not at all be able to fix the remembrance throughout the day. If you wish to fix the remembrance throughout the day, you should definitely make the soul conscious stage firm at *amritvelaa*[17]. You should definitely remember for at least ten minutes. As soon as you wake up you should not remember anything else, [you should think:] I the soul am a point of light, a *star*. Become stable [in this stage].
Student: There is *amritvelaa* till five O' clock.
Baba: Till quarter to five. I mean a little before sunrise.
Student: Will it be sufficient if we remember for the last ten minutes [of *amritvelaa*]?
Baba: If you lay a firm *foundation* even for ten minutes [thinking:] 'I, the soul am a point of light' and if you do not remember anything else, your stage will be nice throughout the day. And if you make good *purushaarth* from two O' clock to quarter to five, then it's just splendid! But, a lot of things (obstacles) arise. ☺

जिज्ञासु:- बाबा, दो बजे से उठके करने से तो कुछ न कुछ बातें याद आते ही रहते हैं बाहर की बातें याद आती रहती है।

बाबा:- ऐसा भी टाइम आयेगा कि पूरा का पूरा अमृतवेला बहुत अच्छा जायेगा। ये तो 63 जन्मों की रील घूमती रहती है। याद में जब अच्छी कर्मों की रील घूमती है तो आटोमेटिक याद आती है। कभी ऐसा अनुभव किया कि पुरुषार्थ नहीं करते हैं तो भी अच्छी अवस्था बन जाती है? अनुभव

[17] Early morning hours

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

किया ना। और कभी ऐसा होता है बहुत ताकत लगा रहे हैं, बहुत याद करने की कोशिश कर रहे हैं, अच्छे से अच्छा पुरुषार्थ करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अवस्था खराब की खराब बनी रहती है। इससे क्या साबित होता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) नहीं। 63 जन्मों के पाप कर्म उदय हो रहे हैं वो हमको आगे नहीं बढने दे रहे हैं। इसलिए कभी हिम्मत नहीं हारना चाहिए। जितनी अवस्था ज्यादा खराब हो उतना और ज्यादा तेजी से ताकत लगाके पुरुषार्थ करना है। चेंज करने की कोशिश करना है।

Student: Baba, if we wake up at two O' clock, some or the other things keep coming to the mind; the things related to outside [world] come to the mind.
Baba: Such a *time* will also come when your entire *amritvelaa* will be very nice. This is the *reel* of the 63 births that keeps rotating. In remembrance... when the *reel* of good actions rotates, you remember [Baba] automatically. Did you experience this at any time that even if you do not make *purushaarth*, the stage becomes very good? You have experienced, haven't you? And sometimes it happens that although you are putting a lot of effort, you are trying to remember a lot, you are trying to make the best *purushaarth*, but the stage remains just bad. What does it prove? (Student said something.) No. The sinful actions of the 63 births are coming up [in the reel]. They are not allowing us to go ahead. This is why you should never lose courage. The worse the stage becomes you should make even more intense *purushaarth*. You should try to *change* [the circumstances].

समय:- 45.03 से 45.42

जिज्ञासु:- बाबा, अमृतवेले के समय किसी को सर्चलाइट देना है तो कैसे दें?
बाबा:- कैसे दें? अपने को आत्मा समझके पहले बैठो मैं आत्मा ज्योति बिंदु हूँ। फिर बाबा की याद करो, बाबा के साथ बैठ करके टार्च की तरह रोशनी फेंको उसके ऊपर। जैसे... सरकस देखा है कभी? सरकस में सर्चलाइट चारों तरफ घूमती रहती है ऐसे-2। ऐसे सर्चलाइट घुमाते रहो बाबा के साथ बैठके। पहले अपन को आत्मा बनाओ।

Time: 45.03-45.42
Student: Baba, how should we give searchlight to someone at *amritvelaa*?
Baba: How should you give? First, sit considering yourself to be a soul: I am a point of light soul. Then remember Baba. Sit with Baba and throw light on him (the one whom you are giving searchlight) like a *torch*. For example... have you ever seen a *circus*? In a *circus* the *searchlight* moves all around like this (Baba demonstrates). Keep moving the *searchlight* sitting with Baba like this. First make yourself a soul.

समय:- 45.43 से 47.45

जिज्ञासु:- बाबा सरकस देखे हैं कभी?
बाबा:- बाबा सरकस नहीं देखेगा तो कौन देखेगा? ☺ (किसी ने कुछ कहा।) देखो। बाबा ने तो सिनेमा भी बहुत देखा होगा। मुरली में बोला सबसे ज्यादा आत्मा का पतन होता है सिनेमा देखने

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

से और उपन्यास पढने से। एक ही जन्म में कोई ज्यादा, लास्ट जन्म, में उपन्यास पढता रहे और फिल्म देखता रहे बस, उस एक ही जन्म में सत्यानाश हो जायेगा पूरा।

Time: 45.43-47.45
Student: Has Baba seen a circus?
Baba: If Baba won't see the circus, who will see it? ☺ (Someone said something.) Look! Baba must have seen many films as well. It has been said in murli that a soul experiences maximum downfall by watching films and by reading novels (*upanyaas*). If someone keeps reading many novels and watching films in just one birth, in the *last* birth, he will be completely ruined in that one birth itself.

जिज्ञासु:- बाबा टी.वी., न्युज़ ...
बाबा:- इसमें नहीं। उसमें तो वायब्रेशन होता है बंद हाल का। गंदे-2 लोग इकट्ठे होते हैं। वो अपने वायब्रेशन से गंदे वायब्रेशन से सिनेमा को देखते हैं। उस वायब्रेशन का असर सभी देखने वालों के ऊपर पडता है। बायस्कोप की बात अलग। टी.वी. में घर परिवार में देखते हैं उसकी बात अलग। फिर भी फिल्म देखने से जरुर अच्छा असर नहीं पडेगा। फिल्म नहीं, सीरियल देखना फिर भी ठीक है, उसमें भी धार्मिक सीरियल देखना अच्छी बात है। धार्मिक सीरियल देखा, ऐतिहासिक सीरियल देखा, पौराणिक सीरियल देखे वो तो अच्छे हैं।
जिज्ञासु:- रामायण, महाभारत ये भी तो चलते ही हैं।
बाबा:- अच्छे हैं लेकिन रामायण को बाबा ने बोला ये तो एक तरह से उपन्यास है।
जिज्ञासु:- जय हनुमान।
बाबा:- जय हनुमान तो पूरा ही बंदर है।
जिज्ञासु:- बाबा, देश का अपना भारत देश का...
बाबा:- हाँ-2, वो ही ऐतिहासिक।
जिज्ञासु:- न, न, कोई फुटबाल खेल हो, क्रिकेट खेल हो कोई...
बाबा:- खेल-वेल से कोई फायदा होता है? खेल देखने से कोई फायदा होता है?
जिज्ञासु: फायदा तो कुछ नहीं लेकिन अपना...
बाबा: नहीं, खेल देखने से कुछ देश को आय हैं? ऐसे ही बरबादी है। वेस्टेज ऑफ टाइम, मनी, एनर्जी है या कुछ फायदा हो रहा है?
तो फिर?

Student: Baba, TV, news...?
Baba: Not in them. In that case (the cinema hall) there are vibrations of a closed *hall*. Dirty people gather. They watch the film with their dirty *vibrations*. Those vibrations affect all the viewers. The case of *bioscope* is different, watching TV with the family at home, is different. However, watching films will definitely not have a good effect [on you]. Not films; watching *serials* is comparatively better; even in them it is good to watch religious serials. If you watch religious *serials*, historical *serials*, mythological *serials*, they are good.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Ramayana, Mahabharata, etc. are also shown.
Baba: They are good but Baba has said about Ramayana that it is a kind of novel.
Student: Jai Hanuman.
Baba: Jai Hanuman is completely [the story of] a monkey.
Student: Baba, about the country, India...
Baba: Yes, yes. The same thing, historical...
Student: No, no. if there is any football match, cricket match...
Baba: Is there any benefit in games? Is there any benefit in watching games?
Student: There is no benefit but...
Baba: No. Does the country gain any profit by watching games? It is simply wastage. Is it *wastage of time*, *money*, *energy*; or is it bringing any benefit?
Then?

समय:- 47.48 से 49.34

जिज्ञासु:- बाबा, याद के समय बाबा के साथ बातें करना...

बाबा:- अच्छी बात है, रुहरुहान करो।

जिज्ञासु:- बाबा के साथ घुमना फिरना, इधर उधर जाना, सब बातें बोलना।

बाबा:- घूमो, फिरो सब में बाबा साथ में रहे।

जिज्ञासु:- इसमें बाबा ज्योति बिंदु जो है ना ये याद नहीं आता।

बाबा:- नहीं आता तो, अभी-2 तो बोला घर को याद करो।

जिज्ञासु:- वही आते हैं।

बाबा:- अच्छा, बिंदु नहीं याद आये घर तो याद है।

जिज्ञासु:- हाँ, वो सब समय आता हैं लेकिन बिंदु नहीं ...

बाबा:- तो ठीक है। वो भी खराब नहीं है वो भी अच्छा है। याद तो है।

जिज्ञासु:- ऐसे देहभान भी नहीं रहता है, लेकिन हमको मैं आत्मा ऐसे मालूम होता है। देहभिमान नहीं होता है, अहंकार नहीं होता है।

बाबा:- घर में रहेंगे तो देहभान क्यों रहेगा?

जिज्ञासु: ऐसे बोलते हैं ज्योतिबिन्दु को याद करो अपन को आत्मा समझ।

बाबा: वो फर्स्ट क्लास याद है।

Time: 47.48-49.34
Student: Baba, to talk to Baba during remembrance...
Baba: It is good; have a spiritual chit-chat (*ruuh-ruhaan*).
Student: Moving around with Baba, going here and there, saying everything to him…
Baba: You may travel anywhere; Baba should be with you while doing everything.
Student: Baba, while doing this we are unable to remember the Point of light.
Baba: If you are unable to remember, just now it was said that you should remember the home.
Student: That is what comes [to our mind].
Baba: *Acchaa*, if you are unable to remember the Point, you do remember the home.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Yes, I remember him all the time but not the Point...
Baba: That is ok. That is also not bad. That is good too. It is still remembrance.
Student: I don't have body consciousness; I feel that I am a soul. There is no body consciousness; there is no ego.
Baba: When you are at home, why will you have body consciousness?
Student: It is said we have to remember the Point of Light and consider ourself to be a soul.
Baba: That is *first class* remembrance.

दूसरा जिज्ञासु:- बाबा, मुरली में ऐसे कहा है साकार में निराकार को याद करना चाहिए।

बाबा:- ठीक है।

दूसरा जिज्ञासु:- वो एक्युरेट याद है तो घर याद आयेगा तो वो...

बाबा:- साकार जो घर है वो भी तो निराकारी स्टेज वाला है। जो घर है वो निराकारी स्टेज में सबसे जास्ती नहीं रहता होगा?

जिज्ञासु:- इसमें तो भूल नहीं होता है ना ? जैसे जो बाबा है उसको याद करने से तो कोई भूल नहीं होता है ना ?

बाबा:- फूल?

जिज्ञासु:- भूल, माने राँग तो नहीं होता है ना बाबा?

बाबा:- नहीं-2।

चलो।

Another student: Baba, it has been said in the murli that we should remember the incorporeal One within the corporeal one.
Baba: It is correct.
The other student: That is the accurate remembrance. So, if we remember the home, then that...
Baba: The corporeal home (permanent chariot) also has an incorporeal *stage*. Won't the home remain in an incorporeal *stage* more than anyone else?
Student: Baba, it is not a mistake (*bhuul*), is it? For example, remembering Baba, it is not a mistake, is it?
Baba: *Phuul* (flower)?
Student: It is not a *bhuul* (mistake), i.e. wrong, is it Baba?
Baba: No, no.
Let's go.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info